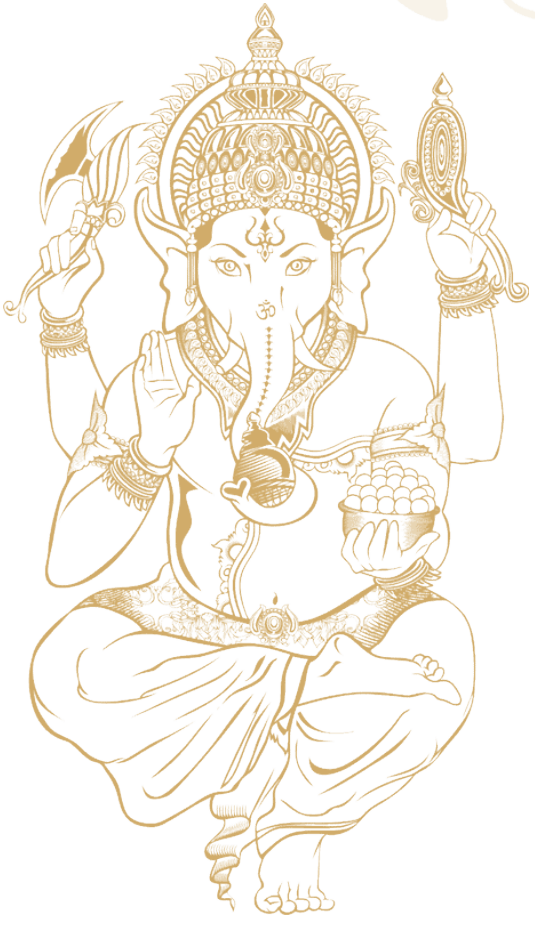

Jhanvi Parasher

23 Apr 2021

12:57 PM

Muzaffarpur

Model: Baby-Horoscope **Order No: 121615301**

तिथि 23/04/2021 **समय** 12:57:00 **वार** शुक्रवार **स्थान** Muzaffarpur **चित्रपक्षीय अयनांश** : 24:09:00
अक्षांश 26:07:00 उत्तर **रेखांश** 85:23:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** 00:11:32 घंटे

पंचांग

साम्पातिक काल	03:14:48 घं
वेलान्तर	00:01:41 घं
सूर्योदय	05:18:11 घं
सूर्यास्त	18:15:50 घं
चैत्रादि संवत	2078
शक संवत	1943
मास	चैत्र
पक्ष	शुक्ल
तिथि	11
नक्षत्र	पू०फाल्गुनी
योग	वृद्धि
करण	विष्टि

अवकहड़ा चक्र

गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	मो-मोहन
पाया(रा.-न.)	रजत-रजत
होरा	शुक्र
चौघड़िया	शुभ

विंशोत्तरी

शुक्र 15वर्ष 5मा 0दि

शुक्र

23/04/2021
23/09/2036

	00/00/0000
	23/04/2021
चन्द्र	23/09/2022
मंगल	23/11/2023
राहु	23/11/2026
गुरु	24/07/2029
शनि	23/09/2032
बुध	25/07/2035
केतु	23/09/2036

योगिनी

उल्का 4वर्ष 7मा 15दि

सिद्धा

08/12/2025
07/12/2032

सिद्धा	19/04/2027
संकटा	07/11/2028
मंगला	17/01/2029
पिंगला	08/06/2029
धान्या	07/01/2030
भ्रामरी	18/10/2030
भद्रिका	08/10/2031
उल्का	07/12/2032

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			29:06:36	कर्क	आश्लेषा	4	बुध	शनि	---	0:00			
सूर्य			09:13:10	मेष	अश्विनी	3	केतु	गुरु	उच्च राशि	2.08	पुत्र	पितृ	अतिमित्र
चंद्र			16:23:15	सिंह	पू०फाल्गुनी	1	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि	0.88	भ्रातृ	मातृ	जन्म
मंगल			05:44:24	मिथु	मृगशिरा	4	मंगल	चंद्र	शत्रु राशि	1.19	ज्ञाति	भ्रातृ	क्षेम
बुध		अ	14:05:32	मेष	भरणी	1	शुक्र	शुक्र	सम राशि	0.95	मातृ	ज्ञाति	जन्म
गुरु			03:02:58	कुंभ	धनिष्ठा	3	मंगल	शुक्र	सम राशि	1.08	कलत्र	धन	क्षेम
शुक्र			16:24:50	मेष	भरणी	1	शुक्र	चंद्र	सम राशि	1.45	अमात्य	कलत्र	जन्म
शनि			18:38:12	मक	श्रवण	3	चंद्र	बुध	स्वराशि	1.27	आत्मा	आयु	विपत
राहु	व		17:14:12	वृष	रोहिणी	3	चंद्र	शनि	मित्र राशि		---	ज्ञान	विपत
केतु	व		17:14:12	वृश्चि	ज्येष्ठा	1	बुध	बुध	मित्र राशि		---	मोक्ष	मित्र

लग्न-चलित

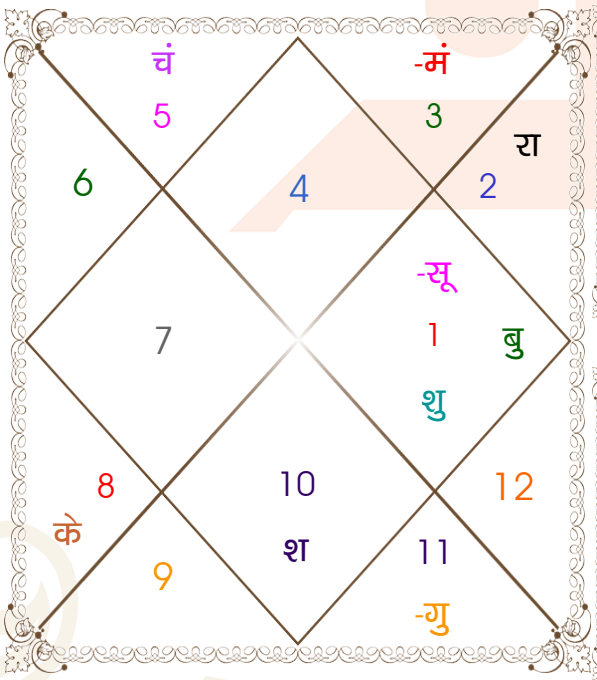

चन्द्र कुंडली

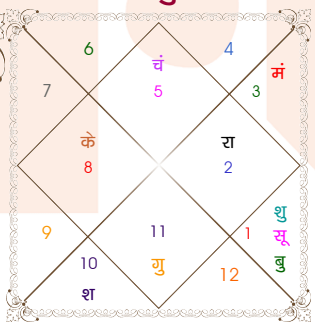

नवमांश कुंडली

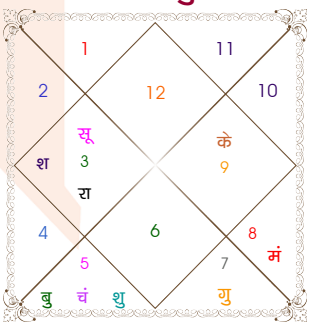

सर्वाष्टकवर्ग

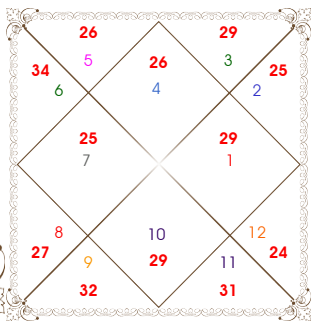

दशमांश कुंडली

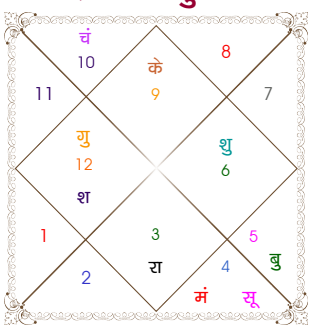

नक्षत्रफल

आपका जन्म पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ हैं। अतः आपकी जन्म राशि सिंह तथा राशि स्वामी सूर्य होगा। नक्षत्र के अनुसार आपका गण मनुष्य, योनि मूषक, वर्ग मूषक, नाड़ी मध्य तथा वर्ण क्षत्रिय होगा। नक्षत्र के चरणानुसार आपके जन्म नाम का प्रारम्भ "मो" अक्षर से होगा। यथा- मोहनलाल।

आप अपने जीवन में विद्यार्जन करने में पूर्ण रूपेण सफल रहेंगे। आपकी प्रकृति गम्भीर होगी तथा कार्यों को गम्भीरता से सम्पन्न करेंगे। स्त्री वर्ग के आप अत्यन्त प्रिय होंगे। साथ ही अपने जीवन में समस्त सुखों के उपभोग करने में आप सफल रहेंगे तथा श्रेष्ठ विद्वान भी आपको सम्मान तथा आदर प्रदान करेंगे।

विद्या गोधन संयुक्तो गम्भीरः प्रमदाप्रियः।
पूर्वाफाल्गुनिकां जातः सुखी पंडित पूजितः।।
मानसागरी

अर्थात् पूर्वाफाल्गुनी नक्षत्र में उत्पन्न जातक विद्या, गौ एवं धन से सम्पन्न, गम्भीर प्रकृति वाला, स्त्रियों का प्रिय, सुखी तथा विद्वानों द्वारा पूजनीय होता है।

आपकी वाणी अत्यन्त ही प्रिय लगने वाली होगी जो दूसरों को प्रसन्नता प्रदान करेंगी। आप एक व्यवहार कुशल पुरूष होंगे तथा अपने व्यवहार से अन्य जनों को प्रभावित करने में सफलता प्राप्त करेंगे। आपके मन में दानशीलता की प्रवृति भी विद्यमान रहेगी तथा अवसरानुकूल आप इस प्रवृति का प्रदर्शन करते रहेंगे। साथ ही आपका शरीर भी कान्ति से युक्त रहेगा। आप यात्रा तथा भ्रमण करने के लिए अत्यन्त उत्सुक तथा रूचिशील रहेंगे। इसके अतिरिक्त राजकीय सेवा में भी आप सदैव तत्पर रहेंगे।

प्रियवाग्दाता द्युतिमानटनो नृपसेवको भाग्ये।
बृहज्जातकम्

अर्थात पूर्वाफाल्गुनी में उत्पन्न जातक प्रिय वक्ता, व्यवहारज्ञ, दानप्रिय, कान्तियुक्त शरीर वाला, यात्रा प्रिय तथा राज्य में राजसेवक होता है।

आपकी प्रकृति चंचलता से युक्त रहेगी तथा कठोर कर्मों की ओर आपकी प्रवृति अधिक मात्रा में विद्यमान रहेगी। साथ ही आप त्याग की भावना से भी ओत प्रोत रहेंगे। आप दृढ़ संकल्प के व्यक्ति होंगे तथा जिस किसी भी कार्य के बारे में एक बार मन में सोच लेंगे उसे पूर्ण यत्न तथा परिश्रम से पूर्ण करके ही छोड़ेंगे। आप में काम भावना की भी अधिकता रहेगी।

फल्गुन्यां चपलः कुकर्मस्त्यागी दृढ़ कामुको।
जातकपरिजातः

अर्थात् पूर्वा फाल्गुनी में उत्पन्न जातक चंचल, कुकर्म करने वाला, त्यागी, दृढ़ तथा कामवासना प्रधान व्यक्ति होता है।

आप वीरता के समस्त गुणों से सुसम्पन्न रहेंगे तथा साहस का आप में अभाव नहीं रहेगा। आप बहुत से लोगों को आश्रय प्रदान करने वाले तथा उनका पोषण करने वाले व्यक्ति रहेंगे। आपकी आखें भी छोटी छोटी होंगी। कार्यों को दक्षता से सम्पन्न करने में आप सफल रहेंगे। इसके साथ ही यदा कदा अभिमान का भी अन्य जनों के समक्ष प्रदर्शन करते रहेंगे। स्वभाव के भी होंगे।

शूरस्त्यागी साहसी भूरिभर्ता कामार्तोऽपिस्याच्छिरालोऽतिदक्षः।
धूर्तः क्रूरोऽत्यन्त सञ्जातगर्वः पूर्वाफाल्गुनयास्ति चेज्जन्मकाले।।
जातकाभरणम्

अर्थात् पूर्वाफाल्गुनी में उत्पन्न जातक शूरवीर, दानी, बहुतों का पोषक, चतुर, धूर्त, कामातुर, कठोर हृदय और अतिघमण्डी होता है।

आप का जन्म रजत पाद में हुआ है। अतः धन सम्पति से आप सर्वदा सुसम्पन्न रहेंगे तथा जीवन में आपके पास इसका अभाव नहीं रहेगा। साथ ही समस्त भौतिक सुखसंसाधनों को आप प्राप्त करेंगे एवं सुखपूर्वक इनका उपभोग भी करेंगे। आप एक बुद्धिमान पुरूष होंगे तथा दानशीलता की प्रवृति भी आपके मन में नित्य विद्यमान रहेगी। साथ ही सहनशीलता के भाव से भी आप युक्त रहेंगे। आप अपने सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में प्रायः सफलता ही अर्जित करेंगे। आप की शारीरिक कान्ति दर्शनीय रहेगी तथा मुखाकृति सुन्दर एवं आकर्षक होगी। समाज में आप एक आदरणीय एवं श्रद्धेय पुरूष समझें जाएंगे। आप विस्तृत परिवार के भी स्वामी होंगे। अपने सम्भाषण में आप नित्य प्रिय एवं मधुर वाणी का उपयोग करेंगे तथा सभी प्रकार के सांसारिक सुखों का प्रसन्नता पूर्वक उपभोग करेंगे। विद्याध्ययन में आप रूचिशील रहेंगे तथा एक विद्वान के रूप में भी आप ख्याति प्राप्त करेंगे। इसके साथ ही आप अल्प मात्रा में बोलना पसन्द करेंगे।

सिंह राशि में उत्पन्न होने के कारण आप स्वभाव से उग्र तथा तेजस्वी होंगे। आपकी पीतवर्ण से युक्त छोटी आखें, कपोल स्थूल तथा मुखाकृति भी विस्तृत होगी। जंगलों तथा पहाडों में घूमने के आप विशेष शौकीन रहेंगे।

कभी कभी आप अकारण ही शीघ्र क्रोधित भी हो जाएंगे। आप अपने जीवन काल में तृष्णाओं, मानसिक चिन्ताओं से चिन्तित रहेंगे। दानशीलता की भावना भी आपके मन में विद्य मान रहेगी तथा जीवन में अवसरानुकूल अपनी इस सुप्रवृति का आप समाज में प्रदर्शन करते रहेंगे। अभिमान का प्रदर्शन भी यदा कदा आपके द्वारा किया जाएगा। स्त्री वर्ग में आप विशेष प्रिय रहेंगे तथा संतति सख्यां अल्प मात्रा में रहेगी। आपकी बुद्धि स्थिर होगी अतः आपके अधिकांश कार्यकलाप धैर्यपूर्वक सम्पन्न होंगे।

तीक्ष्णः स्थूलहनुर्विशालवदनः पिङ्गेक्षणोऽल्पात्मजः।

स्त्रीद्वेषी प्रियमासकाननग कुप्यत्यकार्ये चिरम्।।
क्षुतृष्णोदरदन्तमानसरुजा सम्पीडितस्त्यागवान।
विक्रान्तः स्थिरधीः सुगर्वितमनामातुर्विधेयो योळर्कभे।।
बृहज्जातकम्

आपके शरीर की अस्थियां अत्यन्त ही मजबूत होंगी तथा उग्रता के भाव से भी आप युक्त रहेंगे। कार्यारम्भ से पूर्व आप अपने गले से एक विशिष्ट प्रकार की ध्वनि को निकालेंगे। आपका वक्षस्थल विस्तृत तथा दर्शनीय होगा। आप एक पराक्रमी पुरुष होंगे तथा सभी सामाजिक जन आपके पराक्रम को स्वीकार करेंगे। इसके अतिरिक्त आप हमेशा सावधान तथा चौकन्ने रहेंगे तथा किसी कार्य को प्रारम्भ करने से पूर्व उसके लिए चारों ओर परिस्थितियों का निरीक्षण करेंगे उसके बाद उसे प्रारम्भ करेंगे।

स्थूलास्थिर्मन्दरोमा पृथुवदनगलो ह्रस्वपिङ्गाक्षियुग्मः।
स्त्रीद्वेषी क्षुत्पिपासा जठररुदरजपीडितो मांसभक्षः।।
दाताक्ष्णोळल्पपुत्रो विपिननगरतिमातृवश्य सुवक्षा।
विक्रान्तः कार्यालापी शशभृतिरविभे सर्वगम्भीर दृष्टिः।।
सारावली

आपका मुख मंडल विशाल तथा ठोड़ी का भाग स्थूल रहेगा साथ ही आप का स्वभाव अभिमानी भी रहेगा जिसका आप यदा कदा प्रदर्शन करते रहेंगे। माता के आप अत्यन्त प्रिय रहेंगे।

पिङ्गेक्षणः स्थूलहनुर्विशालवक्त्रोळभिमानी सपराक्रमः।
कुप्यत्कार्ये वनशैलगामी मातुर्विधेयः स्थिरधीः मृगेन्द्रेण।।
फलदीपिका

आप उदरपूर्ति योग्य जीविकार्जन से ही सन्तोष एवं शान्ति का अनुभव करेंगे। मांस के प्रति आपकी लोलुपता अधिक मात्रा में रहेगी तथा गहन गुफाओं तथा वनों में जाने के लिए आप हमेशा उत्सुक रहेंगे। सेवक तथा बन्धुवर्ग से भी आप युक्त रहेंगे तथा आपका वक्षस्थल विशाल रहेगा।

उदरभरणतुष्टः क्रोधनो मांसलुब्धो।
गहनगुरुगुहानां सेवको बंधुहीनः।।
कपिलनयन भग्नस्तुङ्गवक्षाः क्षुधार्तो।
विपुल सुरतसेवी सिंह राशि भे मनुष्यः।।
जातकदीपिका

क्षमाशीलता का भाव आपके अर्न्तमन में प्रारम्भ से ही विद्यमान रहेगा तथा दण्ड की अपेक्षा क्षमादान करना आप श्रेष्ठ समझेंगे। आप कुछ न कुछ कार्य करने को हमेशा तत्पर रहेंगे तथा निष्क्रिय होकर बैठना आपको रुचिकर प्रतीत नहीं होगा। साथ ही आप समयानुसार मांस तथा मदिरा का भी प्रयोग निश्चल भाव से करेंगे। आप भ्रमणप्रिय होंगे तथा अधिकांश समय

देश या विदेश की यात्राओं में व्यस्त रहेंगे। शीत से आपको अत्याधिक व्याकुलता प्राप्त होगी। आपके सभी मित्र अच्छे गुणों से युक्त रहेंगे तथा समाज में अन्य जनों के प्रति आपका व्यवहार भी विनम्र रहेगा। जिससे सभी लोग आपसे प्रसन्न रहेंगे। माता पिता के आप विशेष प्रिय रहेंगे तथा आप भी उनके प्रति अपने कर्तव्यों का पूर्ण रूप से पालन करेंगे। साथ ही आप कई प्रकार के व्यसनों से भी युक्त रहेंगे तथापि समाज में आपको पूर्ण यश तथा कीर्ति प्राप्त होगी।

अचल काननयानमनोरथं गृहकलित्रच गलोदरपीडनम्।
द्विजपतिमृर्गराजगतो नृणांवितनुते तनुतेजविहीनताम्।।
जातकाभरणम्

आपकी आखें तथा शारीरिक संरचना अत्यन्त ही सुन्दर तथा आकर्षक होगी। साथ ही गम्भीर दृष्टि से भी आप युक्त रहेंगे। आप आजीवन नाना प्रकार के सुखोपभोग करने में भी व्यस्त रहेंगे।

सिंहस्थे पृथुलोचनः सुबदनो गम्भीरदृष्टिः सुखी।।
जातक परिजातः

आपका जन्म मनुष्य गण में हुआ हैं। अतः आप हमेशा धार्मिक प्रवृति से युक्त रहेंगे। ब्राहमण तथा देवताओं के प्रति आपकी पूर्ण श्रद्धा होगी तथा नियमित रूप से आप इनका सम्मान तथा पूजन करेंगे। अभिमानी प्रवृति से भी आप युक्त होंगे। आप अपने जीवन में धनार्जन पूर्ण रूप से करते रहेंगे तथा कभी भी इसका अभाव महसूस नहीं करेंगे। आपके मन में दया तथा करूणा का भाव सदैव जागृत रहेगा फलतः आप प्रयत्पूर्वक दीन दुःखियों की सेवा तथा सहायता करने में तत्पर रहेंगे। आप एक से अधिक कार्यों तथा कलाओं को भी जानने वाले होंगे। ज्ञानार्जन में आपकी पूर्ण रूचि रहेगी तथा शरीर भी कान्तिमय रहेगा। साथ ही आपके द्वारा अन्य बहुत से लोग भी सुख की प्राप्ति करेंगे।

आप समाज के एक सम्मानित पुरूष होंगे तथा हमेशा अपार धन दौलत से युक्त रहेंगे साथ ही आप एक अच्छे निशानेबाज भी हो सकते हैं। आप गौरवर्ण से युक्त होकर नगरवासियों को वश में करने वाले होंगे। साथ ही नेत्र भी आपके बड़े होंगे।

देवद्विजार्चाभिरतोभिमानी दयालुर्बलवान कलाज्ञः।
प्राज्ञः सुकान्ति सुखदो बहूनां मर्त्याभवे मर्त्यगणे प्रसूतः।।
जातकाभरणम्

अर्थात् मनुष्य गण में उत्पन्न जातक ब्राह्मण तथा देवताओं का भक्त, अभिमानी, दयालु, बलवान, कला का ज्ञाता, विद्वान, कान्तियुक्त तथा बहुत से मनुष्यों को सुख तथा आश्रय प्रदान करने वाला होता है।

मूषक योनि में जन्म होने के कारण आप एक बुद्धिमान पुरूष होंगे तथा सदैव अपने कार्यों को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगे। धनधान्य, वैभव एवं ऐश्वर्य का आपके पास अभाव नहीं रहेगा तथा सदैव इससे युक्त रहेंगे। आलस्य करना आपको रूचिकर नहीं लगेगा

अतः हमेशा सक्रिय रहेंगे। आपके अन्दर अभिमान के भाव का भी अभाव रहेगा फलतः समाज से पूर्ण आदर तथा सम्मान मिलेगा। परन्तु आप अन्य जनों पर कभी भी विश्वास नही करेंगे जो भी कार्य करवाएंगे उसे अपने ही समक्ष सम्पन्न करवाएंगे।

बुद्धिमान् वित्तसम्पूर्णः स्वकार्यकरणोद्यतः।
अप्रमतोळप्यविश्वासी नरो मूषक योनिजः।।
मानसागरी

अर्थात मूषक योनि का जातक बुद्धिमान, धनवान, स्वकार्य में तत्पर, गर्वहीन तथा किसी पर भी विश्वास न करने वाला होता है।

आपके जन्भ काल में चन्द्रमा द्वितीय भाव में स्थित है। अतः आपकी माता का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा एवं कोई विशेष शारीरिक रूग्णता नहीं रहेगी। वे आपको हमेशा धनार्जन एवं विद्याध्ययन संबंधी कार्यों में पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगी। साथ ही आपकी पारिवारिक उन्नति एवं पालन करने में भी उनकी मुख्य भूमिका रहेगी यदा कदा वे आपको नैतिक शिक्षा भी देंगी तथा आपके प्रति उनके हृदय में पूर्ण वात्सल्य का भाव रहेगा। इसके साथ ही जीवन में कई महत्वपूर्ण कार्यों की सिद्धि आप उनके सहयोग से ही करेंगे।

आप की भी माता के प्रति हादिक श्रद्धा रहेगी एवं उनकी आज्ञा पालन करने में आप गौरव की अनुभूति करेंगे। साथ ही जीवन में सर्वप्रकार से उनकी सेवा करना आप अपना कर्तव्य समझेंगे तथा समयानुसार उनको आर्थिक सहयोग भी प्रदान करते रहेंगे। अतः आपकी परस्पर संबंध मधुर रहेंगे एवं जीवन में एक दूसरें की सहायता एवं सहयोग का आदान प्रदान करके सुखानुभूति करेंगे।

आपके जन्म काल में सूर्य दशम भाव में स्थित है अतः पिता के आप प्रिय रहेंगे। उनका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा एवं आयु भी दीर्घ होगी। धनैश्वर्य से वे सर्वदा सुसम्पन्न रहेंगे एवं जीवन के अधिकांश महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आपकी उन्नति के लिए अपना पूर्ण आर्थिक तथा अन्य प्रकार से सहयोग प्रदान करेंगे। साथ ही व्यापार तथा आजीविका संबंधी कार्यों में भी उन्हीं की प्रेरणा एवं सहयोग से आप सफलता अर्जित कर सकेंगे।

आपकी भी उनके प्रति पूर्ण श्रद्धा एवं सम्मान की भावना रहेगी एवं उनकी आज्ञा का पालन करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे। आपके परस्पर संबंध मधुर रहेंगे एवं यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेद भी उत्पन्न होंगे परन्तु वे शीघ्र ही समाप्त हो जाएंगे। इसके साथ ही आप जीवन में उनको आर्थिक तथा अन्य रूप से पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे तथा सुख दुःख में उनको पूर्ण सहायता तथा सहयोग प्रदान करेंगे।

आपके जन्म समय में मंगल की स्थिति द्वादश भाव में विद्यमान है अतः भाई बहिनों से आप सामान्य स्नेह तथा सम्मान प्राप्त करेंगे। उनका स्वास्थ्य भी मध्यम रहेगा एवं यदा कदा शारीरिक रूप से अस्वस्थता भी उनमें विद्यमान रहेगी। धन सम्पत्ति से वे प्रायः युक्त रहेंगे तथा जीवन में आपको वांछित आर्थिक तथा अन्य रूप से अपना सहयोग प्रदान

करते रहेंगे। इसके अतिरिक्त सुख दुःख में भी आपको उन्से पूर्ण सहानुभूति तथा सहायता प्राप्त होगी।

आपके मन में भी उनके प्रति सम्मान एवं स्नेह की भावना रहेगी एवं यथाशक्ति जीवन में उनको अपनी ओर से आर्थिक या अन्य प्रकार से सहयोग प्रदान करने के लिए तत्पर रहेंगे परन्तु यदा कदा मतभेदों के कारण तनाव की स्थिति भी उत्पन्न होगी परन्तु कुछ समय के बाद सब कुछ स्वतः ही ठीक हो जाएगा।

आपके लिए ज्येष्ठ मास, तृतीया, अष्टमी तथा त्रयोदशी तिथियां, मूल नक्षत्र, धृतियोग, बवकरण, शनिवार प्रथम प्रहर तथा मकर राशि में स्थित चन्द्रमा अशुभ फलदायक हैं। अतः आप 15 मई से 14 जून के मध्य 3,8,13 तिथियों, मूल नक्षत्र, धृतियोग तथा बवकरण में कोई भी शुभ कार्य व्यापार प्रारम्भ, नवगृहनिर्माण, क्रयविक्रयादि महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न न करें अन्यथा लाभ की अपेक्षा हानि ही होगी। साथ ही शनिवार प्रथम प्रहर तथा मकर राशि के चन्द्रमा को भी शुभ कार्यों में वर्जित रखें। इन दिनों तथा समय में शरीर की सुरक्षा तथा स्वास्थ्य के प्रति भी सावधान रहें।

यदि आपके लिए समय अशुभ चल रहा हो मानसिक या शारीरिक कष्ट हो रहे हों, व्यापार नौकरी पदोन्नति या अन्य कार्यों में बाधा उत्पन्न हो रही हो तो ऐसे समय में आपको अपने इष्ट देव सूर्य की आराधना करनी चाहिए तथा प्रातः काल अर्ध्य भी देना चाहिए। साथ ही रविवार का उपवास भी करना चाहिए। इससे आपको मानसिक शान्ति प्राप्त होगी तथा कार्य में भी सफलता प्राप्त होगी। आप के लिए सोना, माणिक्य, रक्त पुष्प, रक्त वस्त्र तथा गेहूं, गुड़ इत्यादि पदार्थो का श्रद्धापूर्वक दान करना भी शुभ प्रभावों की वृद्धि करेगा तथा अशुभ फलों में न्यूनता करेगा। इसके अतिरिक्त सूर्य के तांत्रीय मंत्र के कम से कम 7000 जप सम्पन्न करवाने चाहिए। इससे आपको मानसिक शांति प्राप्त होगी तथा लाभ मार्ग भी प्रशस्त होंगे।

ऊँ ह्रां ह्रीं ह्रौं सः सूर्याय नमः।
मंत्र- ऊँ ऐं ह्रीं ह्रीं सूर्याय नमः।